

2541

ASNA ARCHIVES

311

18 m. 12.11

254/

254/

ASHA ARCHIVES

पुवमः ऋतुधुङ् ॥ ॥ नाग ॥ कदात्रा ॥ प ॥ अशयल ऋतुधुङ्
नक्रमानः कचल ऋकननयकमान ॥ सूनङ्गननय ऋतुधुङ्
पः सूनयति सूनङ्गननयकमान ॥ ॥ ऋतुधुङ्गवव्याकडां
॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ वा ॥ मानसहन ऋकननयकमान
नूपमनाङ्गकमानः ऊनकचनन ऋकननयकमानः मनकन

ग्वलङ्गवनाङ्ग ॥ आनन्द ऋतुधुङ्गलसंगचलि एवल ॥ वीन भिनीङ्गय
आगननननूपयः आगनन सिंहसंगङ्गनननी ॥ गलङ्गवना
निचिंतितचिंतनसंग ॥ ॥ २ ॥ ॥ भङ्गजीगनाङ्गाङ्गाः
दुथम ॥ ॥ नाग ॥ कारि ॥ वा ॥ सुन्दरी नङ्गहसू ॥ ॥ मङ्गिका
ठवानाङ्गाङ्गा ॥ दुथम ॥ ॥ नाग ॥ दभषा ॥ प्र ॥ नूपनिवचन ॥

सकलं पत्री ऊयतां ॥ ॥ ३ ॥ ॥ युवमया गाल केतुः ना
लकेतुः सुभीलवर्गि ॥ ॥ नाग ॥ पहनीया ॥ थक गाल ॥ सुभी
नवती गिनी जूनू दिन संगः पन गह कन व मय मनी मन हंग ॥
न साग न प्रधीय गिपा. गाल केतु वीनः गाल केतु जूनू ज सही
गन न धीन ॥ ॥ या गाल केतु ऊय धं स याग तां ॥ ॥ नाग

॥ विजय ॥ वा ॥ स्वमूनि मख ह म कन व विना सः न व मान हाय न
विन पन का स ॥ ॥ सुसीन व मि तां ॥ ॥ नाग ॥ मान उम ॥ वा ॥
हि म कन कन नू दाह क यल मान नः विपनी न स्व जू व हल ॥
मलय ऊ विष सम ऊ नि मन सि ऊ ऊमः य ऊ विनू सुख दून राग ॥
॥ ल ४ ॥ ॥ ४ ॥ पुथ मां क ॥ ॥ ॥ युवमः मदान साः ॥
वि २ ॥ ॥ नाग ॥ वसुन ॥ जू व स्या मनी चिग दा रु म दान सा जि
वाः

यलनसुरंगः हावगधर्वनचिनीवालाः अयनचिमीप्रहवीन. महाना
ऊ. जागननन्दमलगभव ॥ ॥ मदानसा उां ॥ ॥ नाग ॥ दवगिनी
: वा ॥ सून ॥ धीचलिय. धिननहिचीतज्वमनी ॥ का किलवनीसूनी
थकीतचीतमनीः धिननहिचितज्वमनी ॥ जागननन्दमहियती
भव. सूननयजागननसिंहसुरंग ॥ ॥ लू ॥ ॥ यवसुविष्णु
वसू ॥ ॥ नाग ॥ सानंग ॥ ॥ कतानि ॥ ॥ यलनगधर्वविष्णुवसूनाम

पत्रतरुजागकनमकाकाऊः हवनविदितदुंबून्मनीसाथ. हनिय
दसूमननमानाहाथ ॥ ॥ मदानसा उां ॥ ॥ दूम ॥ ॥ नाग ॥ द
वगिनि ॥ वा ॥ सून ॥ धीचलीय ॥ ॥ मदानसा उां ॥ ॥ नाग ॥ रिप
नास ॥ ऊ ॥ ॥ ज्ञानन्दरूपीमानसुर ॥ चलचलसेयाउयवनवानीहनवि
गज्जानीः वसूकसमयचीनहि धिनमनसीऊभीगन ॥ वीनजागन
नन्दभव. मकुन्दनरात्र ॥ ॥ विष्णुवसू उां ॥ ॥ नाग ॥ सानंग ॥

चो॥ प्रानि यियात्री चलीय ॥ मान विनादकनीय ॥ भ्राज भूत पूत्रगय
नसत्रंगः खलिक नियतुवसंगः ऊयन विमीय हवीन भित्री ऊय जाग
ननन्दु मलहाव ॥ ॥ ल २ ॥ ॥ ममदान साडाडा ॥ छथूम ॥ ॥
नाग ॥ रियनास ॥ ऊ ॥ अनन्द एयी मानसन ॥ ॥ माल क्रियाम ॥ ॥
नाग ॥ ॥ ॥ नमनीमनी सव भषी संग ॥ सनान किया हय वि
नायक नि ॥ अगन चमनी मलय ऊ के भ नि ॥ भूगनाग सूवासः ऊयन वि

मी प्ररु जागनन्दु गभव या का सूनवन जागनन सिंह जूवीनल विगनस
पाव ॥ ॥ धन क्रियाम ॥ ॥ नाग ॥ वसन्त ॥ चो ॥ उ सयिव सन्त सम्य
जुव जाय ॥ एमि २ मधूक नमक नद पीव का किल धूनि सूनी सूखनस
पावः विगन हि धीन कान हि धीन जागनन द्रुप निगभव यापद वि
गनस गभव ॥ ॥ धन पागाल कडुडाडा ॥ ॥ चालि ॥ ॥ मदान साः
खसं यंद ॥ ॥ दउल ॥ ॥ ल ३ ॥ सुभीलडा मिडाडा ॥ ॥ नाग

॥ म॥ च॥ कवप्रहमा कादनसनपायः मलयजनससवविषसमानः कनव
हनी ज्वयानन कान ॥ जयनहिमीप्रहमानसरावः जागननेन्दुमलम
व ॥ ॥ **यागालक** गुनमयानसाजीकाडाजव ॥ ॥ नाग ॥ नाजविजयः
वा ॥ आजत्यसारलकाजयानलनामनीवावतआजः यनूवयनर
लज्वननमानजानन्दहयिहाआज ॥ ॥ **गालक** गुनमयानसाजंग
पूनयंद ॥ ॥ चालि ॥ ॥ **यागालक** गुयाभृंगभन ॥ ॥ नाग ॥ पई ॥ :

भवसववृभीयकादियहंभमानः अनंगकसमसनइसहभनीः कसदि
डियमध्रपांन ॥ गुमनरुपेनगुमनजीडानः शवगिनीमनमान ॥ जाग
नहिमिप्रहजागननुः मलरूपकरुहिनवानि ॥ ॥ **मिसाया** ॥ नागः
कदात्रा ॥ ॥ सुनत्रप्रहडिकागुमर्षसगनः अनूचितवातमदनकः
नानसः कारुमजानगुवचगुनसयान ॥ मूकनीनसानसयननहिर्ष
थियः मधूनिहयानसजान ॥ जागननसिंहयानसजानः जागनननु

मलग्नवे॥ ॥ हा॥ ॥ सासिउ॥ ॥ नाग॥ उयथी॥ सा॥ षूंक
विग्ध (प्रायः) सासिउ साल विवानः दनू उनाऊ वचनः सुनिउ हा प्रायः
काउन कप्रयान उनमद रिक्क नियन उपकान॥ ॥ सासिउ॥ चारि
॥ पागाल कउ उां॥ ॥ नाग॥ सानथ॥ प्र॥ सुनमूनिगन मधनाम
कनीयः माऊ सप्रवपन कास॥ नाकाधन सां सुनपति स्वकांः अथी
कपनमवनयाय॥ वीन महाप्र ह सागननेन्दु मलः दनू उयनमपद ग
य॥ ॥ सुधीलता निपतिऊय॥ ॥ लू४ ॥ वृत्तिदिनियांक॥ :

पुवमः गमनव उं वृ॥ ॥ नाग॥ आसावनि॥ सा॥ गमनव सुगम
निष्प्रायः यन गह उाग ककाऊ॥ उं वृ॥ मतिवन माथ्यः वृमऊ
पमा गाराथ्य॥ हनी सुमनन विन हावः सागननेन्दु गम व॥
हानम॥ ॥ नाग॥ हेनव॥ सा॥ मनीवनन दीऊल सनान कि याहयः
ननयन कनम कि याहय॥ सुनन दि (म) दाव निऊ मना सन सतिः कावनि
नम्येदा हावे हागति॥ ॥ ऊययाक॥ ॥ नाग॥ कामाद॥ सा॥ वद

मनुयधिस्तमूनीनाजः अऊततिलमधूयुतविश्राइति ॥ स्तवमूनि कि
यामंगलकाज ॥ ॥ यागलकमुडाडाः दुधूम ॥ ॥ नाग ॥ सानेथ ॥ ॥
स्तमूनिगनमख ॥ ॥ देवदानूपकायाडाऊगधधंसयाडाडा ॥ ॥
गनवनसूर्यसूमर्ष्याक ॥ ॥ गनवनमुम्बूनसलकाडाडाडा ॥ ॥
नाग ॥ कादि ॥ वा ॥ गतिकामनकीयनकात्रः अस्तमूनीमखनामकिश
हंयः हयनिसननकननहाजाय ॥ ॥ खडानमुम्बूवाडा ॥ ॥ ल १ ॥

अफुडीगयनिसकलंडाडा ॥ ॥ नाग ॥ भरुना ॥ वा ॥ धनमडा निसंगरुयति
नाजः अऊअनूपनगमनकिशाऊवः अनूचलराहगयीहंय ॥ वीनमलय
रुकागनननुयः समधिकमादरुयीहंय ॥ ॥ गनवनडाडाः दुधूम ॥
नाग ॥ कादि ॥ वा ॥ गतिकामनकीयन ॥ ॥ गनवयाम ॥ ॥ नाग ॥ विह
स ॥ ॥ य ॥ विनतिवागस्तनीयमस्तनाजः यनमदूसहसाअयअऊ ॥ धूक
ननूपसाअस्तनगनाजः मास्तवनासकिशामखकाज ॥ मागनअययाना

शुवनाज ॥ ॥ नाग उं ॥ रुडी श्रुहिरा जूवतु मसं रा ॥ मासुगवालक कामलग्न
नः मूनीवन भूचिगवात ॥ दनूजवीन सवतु अनकाऊः वालसंगसुताही
यिभ्रिकाऊ ॥ ॥ गभनवउतुधऊगपावनतां ॥ ॥ नाग ॥ नामकनि ॥ वा ॥
नाऊकूमाननगयीहंय दवमनीसगन ॥ कवललयगुनंगजानन्दचधिनः न
पावननसनंगराली ॥ ॥ गभनवउतुधऊगपावनतां ॥ ॥ नाग ॥ गह
ना ॥ वा ॥ धनमतामिसंग ॥ ॥ गभनवउतुधऊगपावनतां ॥ ॥ नाग ॥

नामकनि ॥ वा ॥ नाऊकूमाननगयीहं ॥ ॥ गभनवनऊगपावनतां ॥ ॥ नाग ॥
नाग ॥ कामाद ॥ वा ॥ वदमनुपधि ॥ ॥ रुडी श्रुहिरा ॥ ॥ नाग ॥ सान
थ ॥ प्र ॥ सूनमूनिगनमख ॥ ॥ कवललयाभनरुहिलिस्यंयंद ॥ ॥ गभ
नवयनिकुय ॥ ॥ सुधीलवतिताताः ॥ ॥ नाग ॥ भूमं ॥ वा ॥ क
वप्ररूमाकपनसनयाय ॥ ॥ गालकगुपनिताता ॥ चारिकं ॥ ॥ क
लयाभनरुहिलिस्यंरुडा ॥ ॥ गालकगुपनिताता ॥ चारिकं ॥ ॥ नाग

काहि॥ वा॥ ॥ इवनाउ दानव इ आनः कीखखउ गवनी कायगनहनि
पनमहीमवनवीनः समनवीनउह विकस किया सत का मसलीन॥
रूपति सग सन किया ह यवन पहा न सा निग सिंधु वहा ह य॥ दानून या
नव हीमवाहिनी गवधायनयी ह य॥ ॥ गालकहु वस्यडां ॥ ॥
पागालकहुडा रुध॥ ॥ नाग॥ सात्रथ॥ कधी॥ ज्ञाउ इवनाउ तुमना
मकानहि ए आउ॥ निखनरखद गसा खंद कनि मंद रुडा पानहुडा

नाम अरुवकी कियः इवना किय २ पापि इवना ज्ञाउ रुडा वीनउ सपा वि
यन॥ ॥ वृमात्रया॥ ॥ इवना देव तुमना मकानहि ए आउ॥ वी
नयन हान सा सेन्य सं हान कनि नू धिन का सिंधू वृग सा कियनः ज्ञाउ
ऊमना ऊधन जाय तुमजा गिय डे सि तुमऊं लगतिया दियन॥ ॥
पागालकहु वध॥ ॥ सुभीरुव किय वें नारा॥ ॥ नाग
हनि १ अरुव मा की पन कानः काहिनहि रुम सम पापि नि आन

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The page shows signs of wear, including creases and discoloration.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The page shows signs of wear, including creases and discoloration.

स्वस्ति श्री सद्रा ज क सा र क सा त्र ज श्री क सा र ड

२०१०

3

4191

upl mal
+ msk

2541
ASNA ARCHIVES

श्री १७१ १०१५१ म० २१५० न० १०५०
सिद्धि

३

आमारी सर्व्व वट्टको वं चदिपाको

मूल माल
मूल माल

2541
ASNA ARCHIVE

पायमनमाने ॥ यादूकमिलनं यागविहिसिनिऊनः न्यऊगातऊनमा
न्यः ऊगनरुहिसिप्रह्वीनमहानाऊ. ऊगननेन्दुमलहान्य ॥ ॥ लूङः
रुहिसिनिहिसियांक ॥ ॥ नागापिं अलंकलनयिकाय ॥ ॥ नागा॥ व
सन्क ॥ वा ॥ प्रायलसूमुखिवनमडागिसंराः रूपमिजुधीपमिचिगनस
त्रंरा ॥ यत्रहगऊसूखिगनीमिविवानः ऊगननेन्दुकहनृयमिसूसान ॥
अरुहिसिऊमदानसाडाडा ॥ ॥ रुधम ॥ ॥ नागा॥ गुंडेनि ॥ वा ॥ गऊ

गामिनिराविनीनकनरुनाऊः पूर्वपूर्वहलण्डः पाडालसारुल
काऊवीनमहियमिहानः ऊगननेन्दुवृषसीन ॥ ॥ अफुडीगनागापिं अरु
पूतडां ॥ ॥ नागा॥ केदाना ॥ ऊ ॥ गारुनवचनरुनियनगरुसुन्दरी
हलनिसिकमलमलानः गारुनवचनधनी अमीयेसिमीऊनीः ऊनीगा
रुमनसिऊमान ॥ सुन्दरीहलनिसिकमलमलान ॥ ऊगनरुहिसिप्रह्व
ऊगननेन्दुकरुः सरुप्रह्विनमिवाना ॥ ॥ निरुधऊडां मदानसा
डां ॥ ॥ नागा॥ केदाना ॥ वा ॥ माननकरीयप्रांनयियानिसूनरुस

यानिः सूवद नि२ सूमृत्वि विमृत्वि ताहः अन्वित सवत रुः गारुन वसुन
समा नी ॥ अरुव सनन स ऊव समय पूजा य अरुव. विरु सिवान रु कि क्वा
नी ॥ अरुन छिमी पमि वीन महीय नी. कागन न नृनृप लान ॥ ॥ अरु
डीगना डा डा ॥ चाली ॥ ॥ अरु धु ड डां ॥ ॥ नाग ॥ अत्रथ ॥
चा ॥ गलनृप शवना ड अरुनन्दः चपल कवल य अरु च धी रालः दि
व सम नी ड नी नृप ॥ अरुनन्द रु मि रु नीन सराल. धनृख सन धनी पन
मरुन्दन. कसुम धनृष सम नृप ॥ ॥ अरु डीग डां ॥ ॥ अरु थ म ॥

नाग ॥ कयाना ॥ डा ॥ गारुन वचन ॥ ॥ ल १ ॥ गल कनु माया निधि
श्या डा डा व ॥ ॥ नाग ॥ रमे दामाल ॥ चा ॥ अरुल गल कनु माया वी
तीनः गप सि रु धनी इव नि सलील ॥ कप ग हि कप ग कय वचन काडाः
अरु धु ड डा अरु पद कन व मय अरु ॥ ॥ अरु धु ड डा डा ॥ अरु थ म ॥ ॥
नाग ॥ सानथ ॥ चा ॥ गलनृप शवना ड ॥ ॥ गप धिन अरु धु ड डा
कृति सा रु डा डा वनृन पूजा या यध क डां ॥ ॥ द ॥ कवल या व्यप नि
१ ऊप ॥

ऊय ॥ ॥ ल१ ॥ ॥ भऊडीगनाजाडाडा ॥ चाली ॥ ॥ माया निधिअ
डा ॥ दुधम ॥ ॥ नाग ॥ रमेदामाल ॥ चा ॥ ॥ आयल गाल कनु मयावीनः
रुवलयाव्यमृ लूशलधकमिसाचंद्रकंद ॥ ॥ सकनसंवनागध ॥ ॥
नाग ॥ मनरुधि ॥ रुनिश्चरुनवियतिविहिदल रुमनजनमरुनिसख
इनराल ॥ रुमरुस्वामिविनुगेऊयपनान रुमसनअलगिनि केउन
हिअन ॥ ॥ मदानसायापानगालनु ॥ ॥ नपसिडां ॥ नाग ॥ मा

ल॥ प्र ॥ ॥ आऊवेनिरुमकयलविनासः इनरालमानगनासः वचनव
नकयसाऊ ॥ मायाकिनमयनमरुलआऊः सरुलजनममानाकारु
॥ ॥ ॥ भऊडीगयनिऊय ॥ ॥ ल३ ॥ ॥ असागननागयनिप्रव
स ॥ ॥ नाग ॥ श्री ॥ चा ॥ दलयनवधअसागननागः नागिनीसडा
अनूदिनअनूनाग ॥ सननीगइरुसूगनागकमानः ~~रुमरुजन~~
~~मिनीरुमरु~~ ॥ गमरु ॥ संगसरुऊरुसूयेनउयकान ॥ ॥

नागकुमालकृतलतांम ॥ ॥ नाग ॥ पद्मंजि ॥ वा ॥ द्विज नृपधनी
इदं नागकुमानः कृतं नृजिनिष्ठिनीकुमान ॥ नगरिकनवहमस्त
रुतविचानः संगरायन कवकनवविहान ॥ ॥ नागनाडांम ॥
नयूनतांम ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ वा ॥ रुनिपतिचलिरालजितपू
नथानः नागि निसंगसुरुज्जुहिराम ॥ भवदनसनविनूयावनसा
ऊः ॥ रुनिस्ति ह्यदस्तमननकाज ॥ ॥ भद्रजीतपनितांम ॥ चालीः

कुवलयाम्बुतांम ॥ ॥ नाग ॥ सानथ ॥ वा ॥ गलनृपशुवनाज ॥
कुवलयाम्बुयावेनागध ॥ नतांम ॥ ॥ भद्रजीतपनयूनतांम ॥ चाली ॥ ॥ ना
गकुमानपिंतांम ॥ ॥ नाग ॥ पद्मंजि ॥ वा ॥ द्विज नृपधनी इदं
॥ ॥ नागकुमानपनितांम ॥ चाली ॥ ॥ कुवलयाम्बुपनितांम ॥ ॥
लूठ ॥ ॥ रुनिपतिचलिरालजितपू ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ वा ॥ रुनिपतिचलि
रालजितपनयूनथान ॥ ॥ नागकुमानपनितांम ॥ चाली ॥ ॥ रुनिपति

नमस्तस्मिन्निजानधनायाक॥ ॥स्तस्मिन्निपुणकुशुडा॥ ॥नाग॥
कदाना॥चो॥स्तानदभभिनिहस्तानदज्जाय॥पनमहगतिजनवनदां
नदयःजुपनानुयकनवमयपनकास॥ ॥पूजाम॥नाग॥रमेनि॥
वा॥जयश्रदवीस्तस्मिन्निमाणाःलवहगतिजनमनानथदाता॥चन्दन
पूष्यधूपवातिःनिवेदनकयपूजनवद्रुहति॥ ॥स्तस्मिन्निउंउमं॥
जुष्यतनथानांनउं॥चाली॥ ॥नागिनिखडाकूनवाडा॥ ॥ल॥

रुतिचतुर्थं॥ ॥प्रवमःमहादेवपार्वतिःगंग॥ ॥नाग॥स्तानं
ग॥प्र॥जगजनरुष्यनदलयनवमःविरुतिविलपितसूनलीतवम
॥भिनवरुगंगाननगसंकनःआयलयानवतिसंगःचन्द्रकलाभिनभूतद
न्वनधन॥ ॥जुष्यननागडाडा॥द्रुथम॥ ॥तपस्यायाक॥ ॥गीत
वाद्ययाक॥ ॥महादेवपुणकुशुडा॥ ॥पूजाम॥ ॥नाग॥रमेनि॥
जयश्रमंकनगिरुवननाथज्जापूजवपंकजलयहाथ॥रुपतिजा

गननेन्युमललानः कनरुक्कपाहनउगगकिसान ॥ ॥ महायवणकक्ष
नरुडा ॥ ॥ नाग ॥ काला ॥ वा ॥ ॥ जूयतनडांमि ॥ ॥ धन्यगिनीमधन्यम
रुमः करुवमयगश्रिकउदम ॥ यनमंजुसंखवसाहलललः मननधपू
नीनदल ॥ जागननन्युमूयपदशगलवः जागननसिंरुपाव ॥ ॥ महा
दवपनिडां ॥ ॥ नाग ॥ जागियासावनि ॥ ७ ॥ मंकरनंजुयनमन्दिन
लपयभूयतिः ॥ कट्टषगगिनयनपूननदहनगियनि ॥ मंकरननर्क

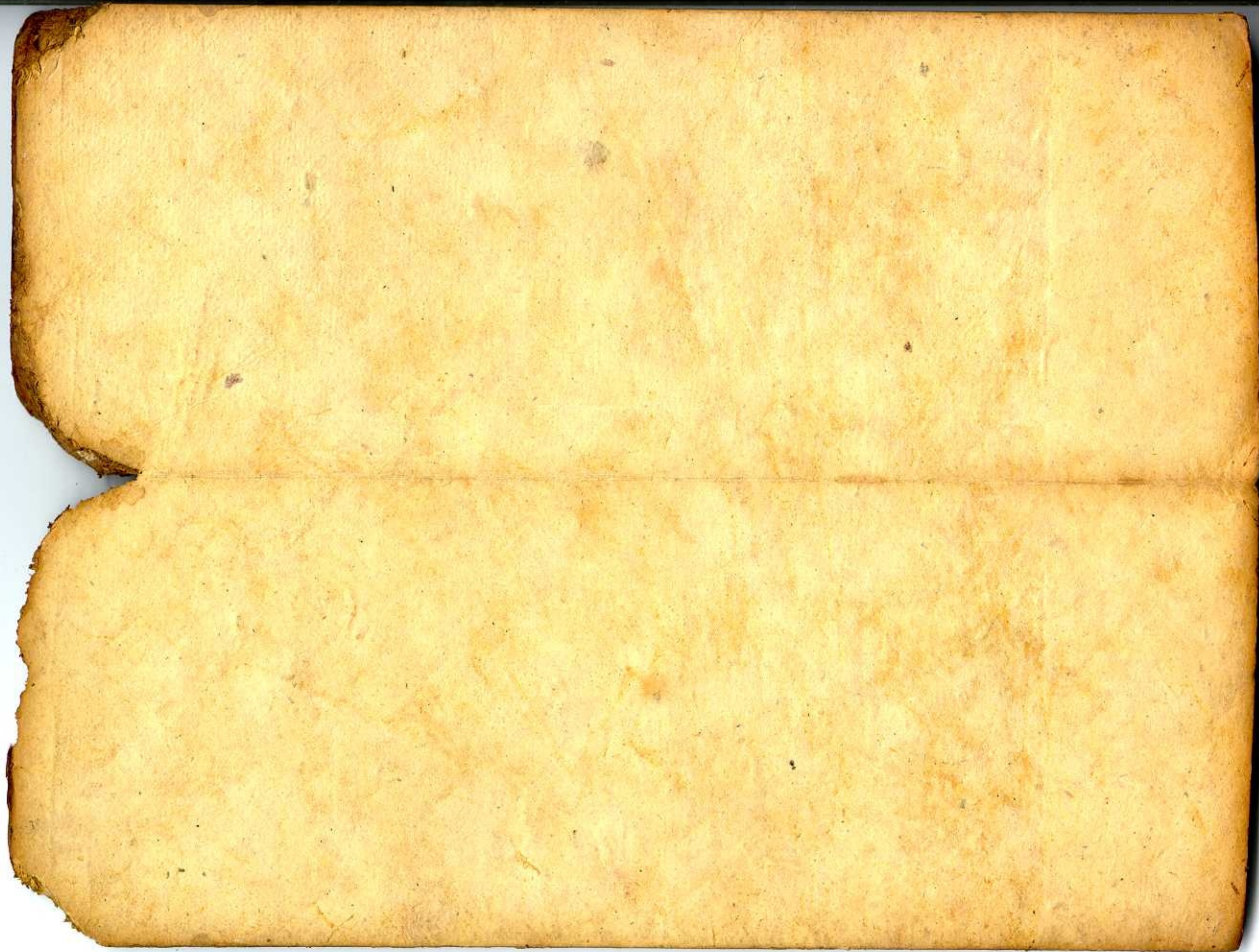
दकपूतसमगननंगः भिनवरुसूतभनीतनलगनंग ॥ ॥ ल १ ॥ क्व
लयाभ्यपनिडुपनयिकाय ॥ ॥ नागकुमायनिडाडा ॥ चाली ॥ ॥
नागकुमानपनिस्तक्वलयाभ्यवादयंद ॥ ॥ नाग ॥ नाट ॥ प्र ॥ मि
उसंगललनाऊकुमानः मानपून्मानकनगतउयकान ॥ ॥ ल २ ॥
नागिनिडाडाचाली ॥ ॥ जूयतनडाडा ॥ द्रुथम ॥ ॥ नाग ॥ कालाः
वा ॥ धन्यमरुमधन्यगिनीम ॥ ॥ नागकुमानक्वलयाभ्यडाडा ॥
द्रुथम ॥ ॥ नाग ॥ नाट ॥ प्र ॥ मि ॥ संगललनाऊकुमान ॥ ॥ क्व

लयाऽथयागमदानसावियाहुडा ॥ ॥ कूवनयाऽथमदानसाऽनन्द
नडांमे ॥ ॥ नाग ॥ ग्वद गिनि ॥ चा ॥ जीवगिसूनमानसूनगितवानीः
पूवपूऽथरुलऽवहमपाडालः सयनपाडालमनमान ॥ गीहमाना
जीवनगीहमानाहृषनः दखिगहनमखविककहवमानासखः अध
नमधूनमधूनदरु ॥ न्यपालरूपगिगीतीकागनद्धिमियगीः कागननद
मलरूपतिः कवलमकूननपदइगनरु ॥ ॥ **अथनडां** ॥ **द्रुथमः**

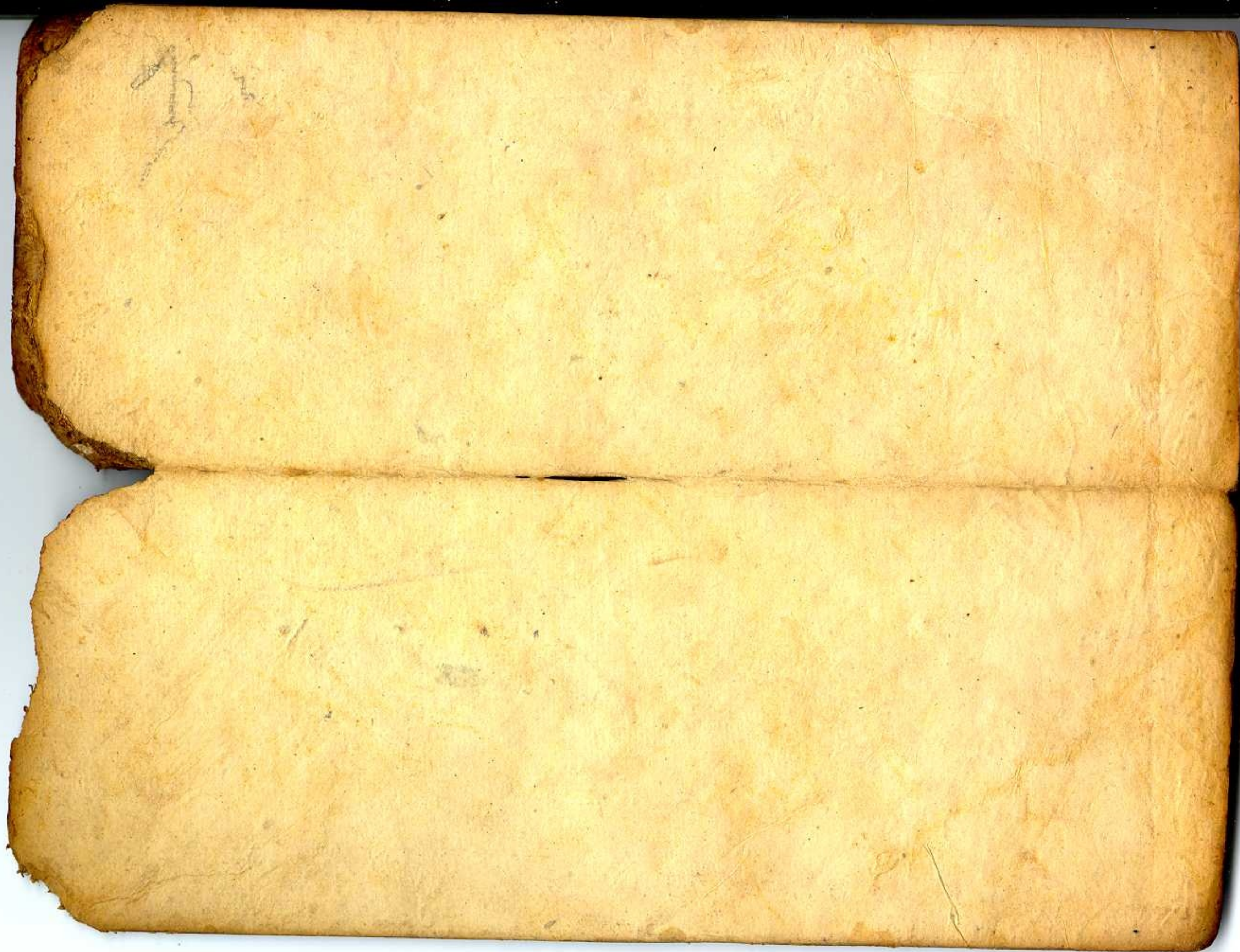
ल ३ ॥ ॥ **गालकगुडा** डांमहादनडा ॥ ॥ दडां ॥ ॥ **कूवलयाऽथमदा**
नसाडा ॥ **द्रुथम** ॥ ॥ नाग ॥ ग्वद गिनि ॥ चा ॥ जीवगिसूनमान ॥ ॥
कूवलयाऽथडाः गालकगुडाशुध ॥ ॥ नाग ॥ मला ॥ रगभनूपक ॥ इव
गालकगुकनवविनासः पथभस्वताहृषवसमनकपास ॥ गुडाभिन
खंदकनवरुमऽशः गीहऽवपथववसमनमाडा ॥ ॥ गाल
कगुवध ॥ ॥ **कूवलयाऽथमदानसा** डां ॥ ॥ **द्रुथमन** ॥ ॥

१५ ॥ अङ्गीकृत्य निघनी ऊपनयिकाय ॥ ॥ वृत्तनयाध्वमदान
साडाडा ॥ कृधम ॥ ॥ नाग ॥ ग्यदगिनि ॥ वा ॥ जीवति सूनमान ॥
॥ नागासानाम ॥ ॥ नाग ॥ मंगल ॥ उ ॥ ञ्जहीधकललउवनाऊक
मानः सिंहासनवेधनदलरुमिरात्र ॥ ॥ ल ॥ यधेमम ॥ ॥
नाग ॥ पंचम ॥ पृथिवीनयनवशुनपालवचल ॥ अभिदिनयऊवा
धलनीसाकरः नवगिऊवउदूकार्त्तिकमासः मदानसारुननना

टकपत्रकासः वीन श्रीजागननन्द निदहाः जागननसिंहकनल
लीतसुद (४) ॥ ॥ ॐ तिथीमाभियमभियतिमहाराजधिराजसं
गीतापूर्वपानगश्रीश्रीऊयवीनजागननन्दमलदवसनस्वपू
जागननसिंहडासमतनपयकामदानसारुनननामनाटकपत्र
मांकसमाप्त ॥ ॥ सम्बत् १९५८ एाप्रपदकृष् ३ एरुस्यतिवा
ध्वकृष् विद्याभंकरयागननननामनावायावियाइना ॥ ॐ ॥







वस्तिमसून्पसून्मैवस्ति भृगमभृगावनक हा भृद स्रद खवां दयविचन
षवावैया पातालकिगंगा वन मांदका व धवा ताहा विमल विमल जल
पिया यस्तुकावन निमित्तपनिता न भकनवन जा गि हय वंदन सा ल
हेनकिताव वचन जा ॥

२५२५१॥